नवभारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

## उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफ़ा

**बि**ना किसी से विचार विमर्श किए एकाएक जगदीप धनखड़ का उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देना सोमवार रात से राजनीतिक सनसनी बना हुआ है. इसका उत्तर किसी के पास नहीं है कि यदि उनका स्वास्थ्य खराब था, तो उन्होंने राज्यसभा का संचालन लगभग 8 घंटे करने के बाद अचानक रात को 9:20 पर इस्तीफा क्यों दिया? यह सही है कि उन्हें हार्ट प्रॉब्लम है, लेकिन केवल स्वास्थ्य का मामला होता तो वो संसद का सत्र शुरू होने के पहले इस्तीफा दे सकते थे. कुल मिलाकर जगदीप धनखड़ के इस्तीफे ने अनेक सवाल खड़े कर दिए हैं! हालांकि मंगलवार की सुबह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू में उनके इस्तीफा को मंजूर कर लिया है. जगदीप धनखड़ की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से व्यक्तिगत ट्यूनिंग काफी अच्छी थी. इसी ट्यूनिंग के चलते उन्हें उपराष्ट्रपति पद के लिए योग्य समझा गया था. जाहिर है जगदीप धनखड़ का उपराष्ट्रपति पद से अचानक इस्तीफा देश की राजनीति में हलचल मचाने वाला कदम है. स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर दिया गया यह त्यागपत्र ऐसे समय आया है जब संसद का मानसून सत्र पूरी रफ्तार पर है. महज़ 24 घंटे पहले तक वे राज्यसभा में कार्यवाही का संचालन कर रहे थे. ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या मामला केवल सेहत का है या इसके पीछे कोई राजनीतिक पटकथा लिखी जा रही है?

हालांकि, व्यक्तिगत स्वास्थ्य को नज़र अंदाज नहीं किया जा सकता. यदि धनखड़ वास्तव में किसी गंभीर स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे हैं, तो उनके निर्णय का सम्मान किया जाना चाहिए. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य नेताओं ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है, जो स्थिति की गंभीरता को संकेत देती है. लेकिन राजनीति में संयोग अक्सर संकेतों से भरे होते हैं. विपक्ष इस इस्तीफे को केवल स्वास्थ्य कारणों से जोड़कर नहीं देख रहा. कांग्रेस और अन्य दलों ने आरोप लगाया है कि यह कदम किसी बड़े राजनीतिक समीकरण, सरकार और उच्च सदन के बीच बदलते रिश्तों, या फिर आने वाले समय में किसी रणनीतिक कदम का हिस्सा हो सकता है. यह संदेह इसलिए भी गहरा है क्योंकि धनखड़ का कार्यकाल अभी दो साल से अधिक बचा था और वे राज्यसभा में सक्रिय, कई बार आक्रामक भूमिका निभा रहे थे. विपक्ष के साथ उनके तीखे संवादों ने हाल के सत्रों में खूब सुर्खियां बटोरी थीं.

इतिहास पर नज़र डालें तो यह तीसरा मौका है जब किसी उपराष्ट्रपति ने कार्यकाल पूरा होने से पहले पद छोड़ा है. वी.वी. गिरी और आर. वेंकटरमन ने राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए इस्तीफा दिया था. जगदीप धनखड़ का मामला अलग है क्योंकि उन्होंने स्वास्थ्य का कारण बताया है. अब सवाल यह है कि आगे क्या ? दरअसल, संविधान के अनुच्छेद 68 के अनुसार, उपराष्ट्रपति पद पर रिक्ति होने पर छह माह के भीतर चुनाव अनिवार्य है. राज्यसभा के सभापति का पद भी खाली हो गया है, जिसे फिलहाल उपसभापति हरिवंश संभालेंगे. लेकिन असली जंग उस समय दिखेगी जब सत्ता पक्ष इस पद के लिए नया चेहरा चुनने की रणनीति बनाएगा. क्या यह फैसला आने वाले राष्ट्रपति चुनाव के समीकरणों को प्रभावित करेगा? क्या यह किसी बड़े बदलाव का संकेत है? सियासत में सवालों से ज्यादा जवाब कभी नहीं होते. फिलहाल इतना तय है कि जगदीप धनखड़ का यह कदम भारतीय राजनीति के पन्नों पर एक नया अध्याय जोड़ चुका है. स्वास्थ्य हो या सियासत, इसकी गूंज लंबे समय तक सुनाई देगी.

दिल्ली डायरी

# उपराष्ट्रपति धनखड़ के इस्तीफे से राजनीतिक गलियारों में हलचल


प्रवेश कुमार मिश्र

**मानसून** सत्र के पहले दिन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे की खबर से दिल्ली की राजनीतिक तापमान बढ़ गई है. कयासों का बाजार गर्म है. पक्ष व विपक्ष के नेताओं के अपने अपने तर्क हैं. कोई इसे स्वास्थ्य से जोड़कर सरकार का बचाव कर रहा है तो कोई सरकार की कथित निरंकुशता को इसके लिए जिम्मेदार बता रहा है. लेकिन इन सवाल-जवाब के बीच इस्तीफा के समय को लेकर जिस तरह से कानाफूसी हो रही है उससे यह साफ हो रहा है कि इस्तीफा के पीछे कोई बड़ा राजनीतिक कारण रहा है. सदन के अंदर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ नोंक-झोंक और उसके बाद की महत्वपूर्ण बैठक में राज्यसभा के सभापति की मौजूदगी के बाद भी मंत्री व नेता सदन की अनुपस्थिति पर्दे के पीछे की कहानी की झलक दिखाने के लिए काफी है.

विपक्षी दलों के नेताओं ने धनखड़ के पक्ष में जिस तरह से बयान दिया है उससे साफ है कि पिछले कुछ समय से सदन के अंदर सरकारी दबाव के बावजूद विपक्षी दलों को सभापति द्वारा विशेष तव्वजो दिया जाने से सरकार खुश नहीं थी. हालांकि भाजपाई रणनीतिकार इस विषय पर खुलकर बोलने से बचकर संकेत से संदेश देने का प्रयास कर रहे हैं.

### नए उपराष्ट्रपति के नाम को लेकर अटकलबाजी शुरू

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद नए उपराष्ट्रपति के नाम को लेकर जबरदस्त चर्चा आरंभ हो गई है. कुछ लोग कह रहे हैं कि राजग सरकार की ओर से सोची समझी रणनीति के तहत बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नाम को उक्त कुर्सी के दौड़ में सबसे आगे रखा गया है.

चर्चा है कि नीतीश कुमार को ससम्मान बिहार की राजनीति से अलग करने बिहार विधानसभा चुनाव के पहले राजग कुनबे के साथ-साथ बिहार के मतदाताओं के बीच विशेष संदेश देने का प्रयास किया जा सकता है. कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं ने भी इस तरह के अटकलों को हवा दिया है. जबकि कुछ लोग जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा को इस कुर्सी के प्रबल दावेदार बता रहे हैं. उनका तर्क है कि उत्तर प्रदेश की राजनीति को साधने की रणनीति से भाजपाई रणनीतिकार मनोज सिन्हा के नाम पर मुहर लगा सकते हैं. हालांकि कई महिला नेताओं का नाम भी इस पद के रेस में शामिल कर अटकलबाजी की जा रही है.

### मानसून सत्र में सरकार को घेरने में जुटा विपक्ष

बिहार विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए विपक्षी दलों द्वारा सरकार को सदन के अंदर घेरने की रणनीति बनाई गई है. बिहार में चलाए जा रहे मतदाता विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम और आपरेशन सिंदूर पर वृहद बहस करके विपक्षी पार्टियों द्वारा भाजपा को घेरने की रूपरेखा तैयार की गई है.मानसून सत्र के पहले दिन ही नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सदन के अंदर उन्हें न बोलने देने का आरोप लगाकर बानगी दिखा दिया है. हालांकि भाजपाई रणनीतिकार विपक्षी आरोपों को निरूत्तर करने के लिए वक्ताओं की बड़ी टीम तैयार की है.

### लालू के तेवर में तेजस्वी



बिहार विधानसभा चुनाव से पहले इन दिनों राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के पुत्र व बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के बदलते तेवरों को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चा हो रही है. इससे पहले वाले विधानसभा चुनाव के समय तेजस्वी यादव अपने पिता की राजनीतिक तौर-तरीकों को बदलकर नए अंदाज में अपने को जनता के सामने रखे थे लेकिन बदलते समय के साथ तेजस्वी को एहसास हुआ है कि वे अपने समर्थकों को लालू स्टाइल में ही रहकर साध सकते हैं. संभवत: इसी वजह से तेजस्वी यादव का राजनीतिक बयानबाजी और सहयोगी दलों के साथ बातचीत करने अंदाज बदल गया है. दिल्ली की राजनीतिक गलियारों में तेजस्वी के बदले अंदाज को लेकर न सिर्फ बिहार के नेता चर्चा कर रहे हैं बल्कि अन्य प्रदेशों के नेताओं के बीच भी तेजस्वी के बदले अंदाज के सकारात्मक व नकारात्मक पहलुओं के साथ चर्चा है.

# आम आदमी और भारत की अंतरिक्ष यात्रा


डॉ. जितेन्द्र सिंह
केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

> हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शब्दों में, गगनयान का आशय है किसी भारतीय को भारतीय साधनों के द्वारा अंतरिक्ष में पहुँचाना. एक्सिओम-4 एक पूर्वाभ्यास है, अवधारणा का प्रमाण है, आकांक्षा और उपलब्धि के बीच का सेतु है. और जब हम तारों को देखते हैं, तो हम उन्हें सिर्फ़ अचरज भरी निगाहों से ही नहीं निहारते, बल्कि इरादे से देखते हैं. क्योंकि भारत के लिए आकाश कोई सीमा नहीं, बल्कि प्रयोगशाला है.

**इसकी** शुरुआत बमुश्किल दिखाई दे रही एक दरार से हुई—जो फाल्कन-9 बूस्टर की प्रेशर फीडलाइन के वेल्ड जॉइंट में छिपी हुई थी. यह अंतरिक्ष उड़ान की विशाल मशीनरी में संभवत: एक छोटी सी खामी रही होगी. लेकिन भारत के लिए, यह निर्णायक घड़ी थी. इसरो के हमारे सचेत और अटल वैज्ञानिकों ने जवाब माँगा. उन्होंने कामचलाऊ उपायों की बजाए, मरम्मत पर ज़ोर दिया और ऐसा करके, उन्होंने न सिर्फ़ एक मिशन की रक्षा की बल्कि—एक सपने की भी हिफाजत की.

उस सपने ने 25 जून, 2025 को उड़ान भरी, जब भारतीय वायु सेना के अधिकारी और इसरो-प्रशिक्षित अंतरिक्ष यात्री, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला, एक्सिओम-4 मिशन के ज़रिए कक्षा में पहुँचे. एक दिन बाद अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से जुड़कर, वह —न सिर्फ़ अंतरिक्ष में, बल्कि मानव-केंद्रित विज्ञान, चिकित्सा और प्रौद्योगिकी के भविष्य में भी भारत की अगली बड़ी छलांग का चेहरा बन गए. यह कोई रस्मी यात्रा नहीं थी. यह एक वैज्ञानिक धर्मयुद्ध था. शुक्ला अपने साथ सात माइक्रोग्रैविटी प्रयोग लेकर गए थे. इनमें से प्रत्येक प्रयोग को भारतीय शोधकर्ताओं ने उन सवालों के उत्?तर जानने के लिए सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किया था, जो न केवल अंतरिक्ष यात्रियों के लिए, बल्कि हमारे समूचे देश के किसानों, डॉक्टरों, इंजीनियरों और छात्रों के लिए भी महत्वपूर्ण हैं.

अंतरिक्ष में मेथी और मूंग के बीजों के अंकुरित होने के बारे में विचार कीजिए. यह सुनने में सरल, लगभग काव्यात्मक प्रतीत होता है. लेकिन इसके निहितार्थ गहरे हैं. अंतरिक्ष यान के सीमित क्षेत्र में, जहाँ पोषण का प्रत्?येक ग्राम मायने रखता है, वहाँ यह समझना कि माइक्रोग्रैविटी में भारतीय फसलें कैसे व्यवहार करती हैं, लंबी अवधि के मिशनों के लिए चालक दल के आहार को नए सिरे से परिभाषित कर सकता है. इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह पृथ्वी पर, विशेष रूप से मृदा क्षरण और जल की कमी से जूझ रहे क्षेत्रों में, ऊर्ध्वाधर खेती और हाइड्रोपोनिक्स में नवाचारों को प्रेरित कर सकता है. इसके अलावा भारतीय टार्डिग्रेड्स का अध्ययन—इन सूक्ष्म जीवों को इनकी मजबूती के लिए जाना जाता है. सुप्तावस्था से जागे इन सूक्ष्म जीवों का अंतरिक्ष में जीवित रहने, प्रजनन और जेनेटिक एक्सप्रेशन की दृष्टि से अवलोकन गया. उनका व्यवहार जैविक सहनशक्ति के रहस्यों को उजागर कर सकता है, जो टीके के विकास से लेकर जलवायु-प्रतिरोधी कृषि तक, हर चीज़ में सहायक हो सकता है.

शुक्ला ने मायोजेनेसिस प्रयोग भी किया. इस प्रयोग में इस बात की पड़ताल की गई कि मानव मांसपेशी कोशिकाएँ अंतरिक्ष की परिस्थितियों और पोषक तत्वों के प्रति कैसी प्रतिक्रिया देती हैं. ये निष्कर्ष मांसपेशीय क्षय के उपचार में क्रांतिकारी बदलाव ला सकते हैं, जिससे न केवल अंतरिक्ष यात्रियों को, बल्कि वृद्ध रोगियों और आघात या ट्रामा से उबर रहे लोगों को भी लाभ होगा.

**अन्य जारी प्रयोगों में सायनो बैक्टीरिया की वृद्धि**- ये ऐसे जीव हैं, जो संभवत: किसी दिन अंतरिक्ष में जीवन-रक्षक प्रणालियों की सहायता कर सकते हैं—तथा चावल, लोबिया, तिल, बैंगन और टमाटर जैसे भारतीय फसलों के बीजों का माइक्रोग्रैविटी के संपर्क में आना शामिल है. इन बीजों को पीढ़ी दर पीढ़ी उगाया जाएगा ताकि वंशानुगत परिवर्तनों का अध्ययन किया जा सके, जिससे संभावित रूप से चरम वातावरण के अनुकूल नई फसल किस्में विकसित हो सकें.

यहाँ तक कि मानव-मशीन संपर्क को भी परखा गया. शुक्ला ने यह समझने के लिए वेब-आधारित आकलन किया कि इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले के साथ बातचीत करने की हमारी क्षमता को माइक्रोग्रैविटी किस प्रकार प्रभावित करती है - जो भविष्य के अंतरिक्ष स्टेशनों और अंतरिक्ष यान के लिए सहज ज्ञान युक्त इंटरफेस डिजाइन करने के लिए एक महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि है. ये कोई अमूर्त प्रयास नहीं हैं. ये समाज के लिए विज्ञान के भारतीय लोकाचार में गहराई से निहित हैं. एक्सिओम-4 का हर प्रयोग पृथ्वी पर जीवन को प्रभावित करने की क्षमता रखता है—चाहे वह ओडिशा का कोई जनजातीय किसान हो, शिलांग का कोई स्कूली बच्चा हो, या लद्दाख का कोई फ्रंटलाइन डॉक्टर हो. इस मिशन ने वैश्विक अंतरिक्ष कूटनीति में भारत के बढ़ते कद को भी दर्शाया.

निजी जीवन में करने लगे हस्तक्षेप

# अब ड्रोन बढ़ाने लगे हैं सिरदर्द

**वर्तमान** समय में ड्रोन अत्यंत उपयोगी हो गए हैं. सेना इन्हें युद्ध और जासूसी के लिए इस्तेमाल करती है. प्राकृतिक आपदा का पता लगाने में भी इनकी जरूरत महसूस की जाने लगी है. इसके बावजूद असैनिक ड्रोन लोगों के लिए तकलीफदेह साबित हो रहे हैं. पश्चिमी उत्तरप्रदेश के शहरों व गांवों में सूर्यास्त होते ही ड्रोन मंडराने लगते हैं. लोगों को शक है कि स्थानीय चोरी की घटनाओं से इनका संबंध है. ड्रोन के जरिए वीडियोग्राफी कर निजी जीवन में भी दखल दिया जाने लगा है. यद्यपि नो फ्लाई जोन घोषित किए गए हैं लेकिन फिर भी संवेदनशील सरकारी इकाइयों की फोटोग्राफी का खतरा बढ़ा है.



तमिलनाडु सरकार ने ऐसे मामलों का संज्ञान लिया है. ड्रोन के इस्तेमाल से जुड़े कानून कमजोर बताए जाते हैं. देश में ड्रोन संचालन के लिए डीजीसीए में ड्रोन का पंजीयन करना व रिमोट पायलट का लाइसेंस हासिल करना पड़ता है. ड्रोन संचालित करने वाले व्यक्ति को नो फ्लाई जोन या उड़ान निषिद्ध क्षेत्र से दूरी रखनी चाहिए लेकिन कितने ही निजी ड्रोन ऑपरेटर इसे लेकर गंभीर नहीं हैं. कहा जाता है कि लाखों की तादाद में गैर पंजीयत ड्रोन हैं. देश में 5 लाख से ज्यादा ड्रोन होने का अनुमान है, लेकिन अप्रैल तक केवल 32,000 ड्रोन का पंजीयन किया गया था. भारत में ड्रोन का आयात करने पर प्रतिबंध है, लेकिन फिर भी चोरी-छिपे चीन निर्मित ड्रोन लोग हासिल कर लेते हैं. ऐसे ड्रोन पुर्जे अलग कर तस्करों द्वारा लाए जाते हैं और फिर उन्हें असेंबल कर लिया जाता है. विभिन्न कार्यक्रमों और शादी आदि में ड्रोन से फोटोग्राफी की जाती है लेकिन ड्रोन के जरिए शरारती लोग ताक-झांक कर किसी की प्राइवेसी का हनन भी करते हैं. पुलिस को सुनिश्चित करना होगा कि ड्रोन का इस्तेमाल नियम-कानून के दायरे में रहकर किया जाए. विदेश निर्मित ड्रोन का गलत उद्देश्यों से इस्तेमाल होने का खतरा बना रहता है. इसलिए हर ड्रोन का रजिस्ट्रेशन होना चाहिए ताकि उसके संचालक की पहचान हो सके. भारत में भी कम लागत के स्वदेशी ड्रोन के निर्माण में तेजी लाई जाए तो चीनी ड्रोन पर अंकुश लगेगा.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

# किसानों की खुदकुशी में नहीं आई कमी, सदन में कृषिमंत्री ने खेली रमी

**प**ड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, क्या आप मोबाइल पर जंगली रमी खेलते हैं? यदि खेलते हैं तो किस जगह? जवाब के लिए आपके सामने 4 आप्शन हैं- घर में, क्लब में, ऑफिस में या जंगल में? यदि जवाब नहीं सूझ रहा तो फोन ए फ्रेंड की मदद ले सकते हैं या किसी एक्सपर्ट की राय ले सकते हैं.

हमने कहा, आपके दिए हुए आप्शन किसी काम के नहीं हैं. रमी विधानसभा में भी खेली जा सकती है लेकिन सावधानी बरतनी चाहिए कि कोई इसका वीडियो न बनाने पाए. राकां (शरद पवार गुट) के विधायक रोहित पवार ने 'एक्स' पर पोस्ट कर दावा किया है कि महाराष्ट्र के कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे सदन में मोबाइल पर रमी खेल रहे थे. राज्य में रोज 8 किसान आत्महत्या करते हैं लेकिन कृषि मंत्री का रमी में मन रमा हुआ है.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, कहते हैं कि रोम जब जल रहा था तो वहां का सम्राट नीरो मजे से बांसुरी बजा रहा था. इसे कहते हैं स्थितप्रज्ञ होना ! कालक्रम में जो भी अच्छा-




बुरा होता है, होने दो. उससे प्रभावित होने की जरूरत नहीं! सदन में क्या चल रहा है उस पर ध्यान न देते हुए रमी में रमण करो. शौकीन व्यक्ति के लिए 3 चीजों का कॉम्बिनेशन रहता है- रम, रमा और रमी! फौजी आमतौर पर गुड़ की बनी मीठी शराब रम पीते हैं. उन्हें इसका परमिट मिलता है और यह मिलिट्री कैंटीन में उपलब्ध रहती है.

हमने कहा, कोई रम पीकर गम से छुटकारा पाना चाहता है तो उसकी मर्जी, लेकिन रमी अपने रिस्क पर खेला जाता है. इसमें पैसे डूब भी सकते हैं. देश में जगह-जगह ब्रिज टूट खेलना समसामयिक रहेगा ! श्री कार्ड या तीन पत्ती के बारे में आपका क्या विचार है. ताश के इस खेल में पेयर, रन, कलर और फ्लैश पर जीत-हार निर्भर है. हाथ में 3 इक्के आ जाएं तो कहना ही क्या?

पड़ोसी ने कहा, जुआ खेलने की प्राचीन परंपरा रही है. राजा युद्ध या शिकार करते थे और किसी ने चुनौती दी तो जुआ खेलने बैठ जाते थे. धर्मराज युधिष्ठिर ग्रेट गैंबलर थे. उन्होंने जुए में राजपाट, भाइयों व पत्नी द्रौपदी तक को दांव पर लगा दिया था. राजा नल ने भी जुआ खेलकर भारी मुसीबत मोल ली थी.

हमने कहा, अभी तो सरगर्मी इस बात को लेकर है कि कृषिमंत्री सदन में रमी खेल रहे थे. कोई कितना भी करे बहाना, विपक्ष ने साधा निशाना !

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 11971 - डॉ. सागर खादीवाला

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | | ■ | 4 | | 5 |
| 6 | | | ■ | 7 | | ■ | |
| | ■ | 8 | 9 | | ■ | 10 | |
| 11 | 12 | ■ | | ■ | 13 | | |
| ■ | 14 | 15 | | 16 | ■ | 17 | |
| 18 | | | ■ | | ■ | | ■ |
| 19 | | ■ | 20 | | 21 | ■ | 22 |
| 23 | | | ■ | 24 | | | |

**बाएं से दाएं**

1. गौतम ऋषि के पुत्र और राजा जनक के पुरोहित 4. शक्तिशाली जमींदार या सरदार, वीर योद्धा 6. अभिलाषा, कामना, आशय (उर्दू) 7. ललाई, सुर्खी, अरुणता 8. नाराज, अप्रसन्न 10. स्वच्छ, निर्मल, शुद्ध 11. शरीर, देह 13. पान में खाने की तंबाकू, एक भोज्य पदार्थ जो चावल से बनता है 14. ऐंठना, मरोड़ना 17. कोमलता-तीव्रता या उतार-चढ़ाव आदि से युक्त वह शब्द जो प्राणियों के गले या वाद्य यंत्रों से निकलता है 18. शांति (उर्दू) 19. हिम्मत हारा हुआ, थका हुआ 20. कायदा 23 लांघना, मात करना 24. कार्यकर्ता, जिसके हाथ में कोई काम हो

**ऊपर से नीचे**

1. उचित, ठीक, उपयुक्त (सं.) 2. नक्षत्र, बाली की पत्नी का नाम 3. आनंदित होना, प्रसन्न करना 4. पत्नी की बहन 5. समर्थक, हिमायती 7. शव 9. छोटी और मामूली चीज, फुटकर वस्तुएं 10. सरस्वती संबंधी, विद्वानों का 12. जिसका सिर झुका हुआ हो 15. रण, युद्ध, जंगल, झील 16. अयोग्य 18. निज का, स्वजन, आत्मीय 21. संधि स्थान, प्राणियों का वह स्थान जहां चोट लगने से बहुत वेदना होती है, रहस्य, भेद 22. धारण करनेवाला, रेखा

Solution 11970

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सु | र | खा | ब | ■ | र | ■ | स |
| द | वा | ■ | गु | ■ | सू | र | त |
| र्श | ■ | मा | ला | मा | ल | ■ | मा |
| न | दी | ■ | भ | र्ग | ■ | प्या | सा |
| ■ | ■ | ना | ग | ■ | भो | ला | ■ |
| बा | ■ | श | त | रं | ज | ■ | कं |
| ल | क | वा | ■ | ग | प | श | प |
| म | हा | न | ता | ■ | त्र | ■ | न |

## ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

### आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में भाईयों के सहयोग से अचल संपत्ति में वृद्धि होगी, दाम्पत्य जीवन सुखमय मधरता पूर्ण रहेगा, भाईयों का कार्यक्षेत्र में सहयोग रहेगा, वर्ष के मध्य में नवीन योजनाओं का क्रियान्वयन होगा, वर्ष के अन्त में अनिश्चय की स्थिति का सामना करना पड़ेगा, आजीविका के क्षेत्र में अचानक चिन्ता रहेगी, शत्रु पक्ष प्रबल रहेगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को कार्यक्षेत्र में वृद्धि होगी, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को दाम्पत्य जीवन सुखमय मधुरतापूर्ण रहेगा, वातावरण सुखद रहेगा,कर्क राशि के व्यक्तियों का शत्रु पक्ष प्रबल रहेगा, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को कर्मचारियों के सहयोग से लाभ होगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को जीवन में मधुरता आयेगी, सिंह राशि के व्यक्तियों का आजीविका में लाभ होगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को शत्रु पक्ष के प्रति विशेष सजगता रहेगी.

### आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक निडर तथा परिश्रमी होगा. आय के एक से अधिक साधन उपलब्ध होंगे. संगीत कला और धार्मिक कार्यो में इनकी अच्छी रूचि रहेगी. माता पिता को हमेशा सुखी रखेगा.

### उदयकालीन ग्रह चाल

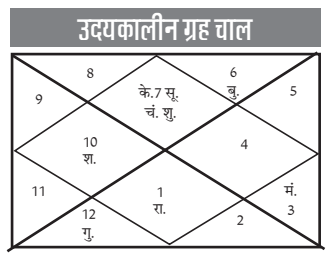




### पंचांग

रा.मि. 01 संवत् 2082 श्रावण कृष्ण चर्तुदशी बुधवासरे रात 2/0, आर्द्रा नक्षत्रे शाम 6/16, व्याघात योगे दिन 1/40, विष्टि करणे सू.उ. 5/20 सू.अ. 6/40, चन्द्रचार मिथुन, शु.रा. 3, 5, 6, 9, 10, 1 अ.रा. 4, 7, 8, 11, 12, 2 शुभांक- 5, 7, 1.

### व्यापार भविष्य

श्रावण कृष्ण चर्तुदशी को आर्द्रा नक्षत्र के प्रभाव से गेहूँ, गुड़ खांड, शक्कर, लालमिर्च, आदि में तेजी का रूख रहेगा. नये वस्तुओं में पिछली चाल चलेगी. आज जिन वस्तुओं में तेजी का रूख रहे, उसी में मंदी होगी. भाग्यांक 1776 है.

**मेष**- कामकाज की धीमी गति से अधिकारी व्यथित होंगे. नए संपर्को से कार्यो में नई दिशा आर्थिक मामलों में सफ्लता मिलेगी. संतान के मामलों में व्यय होगा.

**वृषभ**- आर्थिक मामलों की अनदेखी से नुकसान हो सकता है. स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सजग रहें. खानपान पर नियंत्रण रखें. निजी दायित्वों की पूर्ति होगी.

**मिथुन**- भौतिक सुख सुविधाओं पर बड़े खर्च की संभावना है. युवा अच्छी सफ्लता अर्जित करेंगे. पारिवारिक जीवन में जिम्मेदारियों का अनुभव होगा.

**कर्क**- शीघ्रता में अच्छी योजना शुरू होगी. कडी मेहनत करके बड़ी सफ्लता मिलेगी. सामाजिक कार्यो में रूचि रहेगी. प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. मन: स्थिति संतुलित रहेगी.

**सिंह**- विपरीत विचारधारा के लोगों का साथ करने से नुकसान होगा. जीविका के क्षेत्र में सफ्लता मिलेगी. पारिवारिक निकटता बढ़ेगी. सम्मान में यथोचित वृद्धि होगी.

**कन्या**- कार्य योजना व नजरिये में बदलाव करके अच्छी सफ्लता मिलेगी. जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा.कोई कार्य बनेगा जिससे आपको संतोष प्राप्त होगा.

**तुला**- सेहत पर ध्यान दें, आय के नए साधन मिलने से आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. व्यवसायिक दायित्वों की पूर्ति होगी. पारिवारिक कार्यो में लगन व निष्ठा रहेगी.

**वृश्चिक**- लंबित मामले सुलझने के आसार हैं. योजनाओं के आकार देने में सफ्लता मिलेगी. स्वयं की सूझबूझ से लिये गये निर्णय सार्थक होंगे.

**धनु**- प्रापर्टी संबंधी विवाद हल होगा. विरोधियों से बचकर रहें. काई मांगलिक कार्य संपन्न होगा. पारिवारिक वातावरण में प्रसन्नता रहेगी.

प्रियजन के संबंध मेंशुभ समाचार मिलेंगे. अनुभवी लोगों का साथ सफ्लता देगा. कोई शुभ कार्य बनेगा. पद प्रतिष्ठा एवं धन की प्राप्ति होगी.

**कुम्भ**- मन ही मन किसी बात को लेकर परेशान हो सकते हैं, आपके कार्यो में निखार आयेगा. लिये गये निर्णय में सतर्कता बांछनीय है. योजनाओं में प्रगति होगी.

**मीन**- आपके रूखे व्यवहार से करीबी लोग नाराजहो सकते है. संतान के कार्यो में सफ्लता सुख और संतोष का अनुभव होगा. आशा से अधिक कार्यो में सफ्ल होंगे.

SUDOKU 7103

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | 5 | 1 | 4 | | |
| | | | 7 | | | | 2 | |
| | | 8 | | | | | | 3 |
| | 1 | | | | | | | 8 |
| 5 | | | | 4 | | | | 9 |
| 7 | | | | | | | 6 | |
| 4 | | | | | | 7 | | |
| | 2 | | | | 6 | | | |
| | | 3 | 9 | 8 | | | | |

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7102

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | 7 | 6 | 3 | 5 | 2 | 9 | 1 | 8 |
| 5 | 9 | 8 | 6 | 7 | 1 | 4 | 3 | 2 |
| 2 | 3 | 1 | 8 | 9 | 4 | 7 | 6 | 5 |
| 6 | 8 | 5 | 7 | 3 | 9 | 2 | 4 | 1 |
| 3 | 2 | 4 | 5 | 1 | 6 | 8 | 7 | 9 |
| 7 | 1 | 9 | 4 | 2 | 8 | 3 | 5 | 6 |
| 8 | 4 | 3 | 2 | 6 | 5 | 1 | 9 | 7 |
| 1 | 5 | 2 | 9 | 4 | 7 | 6 | 8 | 3 |
| 9 | 6 | 7 | 1 | 8 | 3 | 5 | 2 | 4 |